ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (NSS) और यूरोप का अस्तित्वगत संकट

GS पेपर प्रासंगिकता:

- **GS II – अंतर्राष्ट्रीय संबंध, वैश्विक व्यवस्था, गठबंधन।**
- **GS III – रक्षा तैयारी, सामरिक स्वायत्तता (Strategic Autonomy)।**

चर्चा में क्यों?

ट्रंप प्रशासन की नई **राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (NSS) 2025** के जारी होने से यूरोप में गहरी बेचैनी पैदा हो गई है। यह रणनीति ट्रान्स-अटलांटिक (पार-अटलांटिक) सुरक्षा की नींव, नाटो (NATO) के भविष्य और 'नियम-आधारित उदार अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था' की अवधारणा पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

पृष्ठभूमि (Background)

पिछले लगभग आठ दशकों से, यूरोप की सुरक्षा नाटो के माध्यम से अमेरिकी नेतृत्व और उदार लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर टिकी रही है। हालांकि, नाटो, यूक्रेन, प्रवासन और बहुपक्षीय संस्थानों पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनिश्चित बयानों ने पहले ही अमेरिकी विश्वसनीयता पर संदेह पैदा कर दिया था। नई NSS इन संदेहों को एक औपचारिक रणनीतिक विश्वदृष्टि में बदल देती है, जिसकी जड़ें **'अमेरिका-फर्स्ट'** (America-First) व्यापारवाद और चयनात्मक भागीदारी में निहित हैं।

www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

ट्रंप की NSS क्या संकेत देती है?

यह NSS द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अमेरिकी विदेश नीति की परंपराओं से पूर्ण विच्छेद (departure) का संकेत देती है:

- **यूरोप एक सहयोगी नहीं, बल्कि बोझ:** यूरोप को बाहरी आक्रामकता के बजाय प्रवासन, उदारवादी मानदंडों और राष्ट्रीय पहचान के खोने के कारण "सभ्यतागत गिरावट" (civilizational decline) का सामना करने वाले क्षेत्र के रूप में चित्रित किया गया है।
- **वैचारिक हस्तक्षेप:** अमेरिका ने "देशभक्त यूरोपीय दलों" (patriotic European parties) को समर्थन देने का प्रस्ताव रखा है, जो लोकतांत्रिक समर्थन और संप्रभु राजनीति में हस्तक्षेप के बीच की रेखा को धुंधला करता है।
- **गठबंधन के नेतृत्व से पीछे हटना:** यूरोप से अपनी रक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी खुद उठाने का आग्रह किया गया है। साथ ही, नाटो विस्तार पर स्पष्ट रूप से प्रश्न उठाए गए हैं—जिसका यूक्रेन के लिए गंभीर निहितार्थ है।

- **क्षेत्रीय संकुचन (Hemispheric Retrenchment):** NSS संकेत देती है कि अमेरिका का ध्यान अपने स्वयं के "पश्चिमी गोलार्ध" पर केंद्रित रहेगा। यह परोक्ष रूप से चीन और रूस को अन्य क्षेत्रों में अधिक स्वतंत्रता देता है, जब तक कि अमेरिकी व्यापारिक हित सुरक्षित हैं।

यूरोप की रणनीतिक दुविधा

NSS यूरोप के सामने तीन व्यापक विकल्प प्रस्तुत करती है:

1. **उपेक्षा करना:** इस उम्मीद में कि अमेरिकी नीति फिर से अपने पुराने ढर्रे पर लौट आएगी।
2. **तुष्टिकरण:** अमेरिकी प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए ट्रंप प्रशासन की प्रशंसा और चापलूसी करना।
3. **सामरिक वास्तविकता को स्वीकार करना:** वास्तविक 'यूरोपीय सामरिक स्वायत्तता' (European Strategic Autonomy) की ओर कदम बढ़ाना।

अब तक, यूरोप मुख्य रूप से पहले दो विकल्पों के बीच झूलता रहा है। स्वायत्तता की बयानबाजी के बावजूद, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे प्रमुख देश अमेरिकी सैन्य हार्डवेयर और खुफिया जानकारी पर अपनी निर्भरता को और गहरा कर रहे हैं, जो उनकी संरचनात्मक निर्भरता को पुष्ट करता है।

यूरोपीय आत्मनिर्भरता कठिन क्यों है?

यूरोप की स्वतंत्र रक्षा क्षमता के सामने बड़ी बाधाएं हैं:

- एक एकीकृत रक्षा ढांचे का अभाव।
- संयुक्त सैन्य परियोजनाओं की विफलता (जैसे ठप पड़ा फ्रांस-जर्मनी फाइटर जेट कार्यक्रम)।
- सैनिकों (Manpower) की कमी, जिसे स्वैच्छिक भर्ती से हल नहीं किया जा सकता।
- परमाणु प्रतिरोध (Nuclear deterrence) के अनसुलझे सवाल, जो ब्रेक्सिट के बाद और जटिल हो गए हैं।

वैश्विक व्यवस्था पर प्रभाव

यूरोप की प्रतिक्रिया न केवल उसकी अपनी सुरक्षा, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली के भविष्य को भी आकार देगी। ट्रंप की NSS निम्नलिखित पर प्रहार करती है:

- संयुक्त राष्ट्र (UN) और विश्व व्यापार संगठन (WTO) जैसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थान।
- युद्ध के बाद की वैश्विक व्यापार प्रणाली।
- सामूहिक सुरक्षा (Collective Security) की अवधारणा।

हालांकि उदारवादी व्यवस्था कई मायनों में त्रुटिपूर्ण है, लेकिन यह अभी भी शक्ति की राजनीति (power politics) और प्रभाव क्षेत्रों (spheres of influence) वाली 'हॉब्सियन दुनिया' के खिलाफ एक महत्वपूर्ण नियंत्रण के रूप में कार्य करती है।

आगे की राह (Way Forward)

- यूरोप को न केवल रक्षा खर्च बढ़ाना चाहिए, बल्कि एकीकृत कमान और राजनीतिक इच्छाशक्ति में भी निवेश करना चाहिए।

- यूरोपीय संघ (EU) को रुकी हुई रक्षा परियोजनाओं को पुनर्जीवित करना चाहिए और परमाणु प्रतिरोध व्यवस्था को स्पष्ट करना चाहिए।
- लोकतांत्रिक देशों को नियम-आधारित बहुपक्षवाद की रक्षा करनी चाहिए, साथ ही इसमें सुधार के लिए दबाव बनाना चाहिए।

निष्कर्ष

शांति (SHANTI) विधेयक की तरह ही, वैश्विक स्तर पर ट्रंप की NSS यूरोप को इस कड़वे सच का सामना करने के लिए मजबूर करती है कि: **गठबंधन कभी भी सामरिक क्षमता (Strategic Capability) का विकल्प नहीं हो सकते।** असली सवाल यह है कि क्या यूरोप एक संशोधित उदार व्यवस्था की रक्षा करना चुनता है या उस लेन-देन वाली दुनिया (transactional world) के साथ ढल जाता है जहाँ नियम नहीं, बल्कि 'शक्ति' परिणाम तय करती है।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. "आशा कोई रणनीति नहीं है।" ट्रंप प्रशासन की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) के संदर्भ में, अमेरिकी विदेश नीति में हो रहे बदलावों का यूरोप के लिए अस्तित्वगत संकट पैदा करने के कारणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। नाटो और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर इसके क्या प्रभाव पड़ते हैं? (250 शब्द)

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

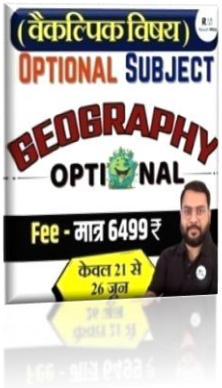

IAS-PCS Institute

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806